



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life



Cadaver Organ Donor

Lt. Shaileshbhai Hasmukhbhai Padariya

Donated His: Kidney, Liver & Corneas

Date:- 07/05/2023

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

लेउवा पाटीदार समुदाय के ब्रेन डेड शैलेशभाई के परिवार ने

डोनेट लाइफ के माध्यम से पांच व्यक्तियों को नया जीवन दिया

शैलेशभाई का लीवर, किडनी और आंखें दान की और मानवता की सुगंध फैलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाई

सूरत का एक और अंग दान डोनेट लाइफ संस्था द्वारा वीनस अस्पताल से किया गया

अनुल्य हिन्दुस्तान संवाददाता

सूरत। डोनेट लाइफ संस्था अब तक देश-विदेश के एक हजार से ज्यादा लोगों को अलग-अलग अंगों का दान कर नया जीवन देने में सफल रही है। टेक्स्टाइल और डायमंड सिटी के नाम से मशहूर सूरत शहर अब देश में ऑर्मन डोनर सिटी के नाम से मशहूर हो रहा है।

शैलेशभाई 101, पद्मावती अपार्टमेंट, मनियारा स्ट्रीट, महीधरपुरा, सूरत में रहते हैं और सेवानिवृत्त हुए हैं। 5 मई को दोपहर 12 बजे जमीन पर बैठकर सिर दर्द की शिकायत की। फिर उल्टी होने से वह बेहोश हो गए। परिजन उसे तुरंत डॉ. वीनस अस्पताल ले गए जहां निखिल जरीवला के इलाज के तहत भर्ती कराया गया। निदान के लिए सीटी स्कैन पर ब्रेन हेमरेज का



पता चला था। डोनेट लाइफ टीम ने अस्पताल पहुंचकर शैलेशभाई की पली ममताबेन, बेटे जिगर, बेटियों विनी और उम्रति, दामाद चिराम सुरती, स्वातिल शाह, दिलीपभाई शाह और पड़रिया के परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान के महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। परिवार से अंगदान के लिए सहमति मिलने के बाद सोहो

से संपर्क किया गया। SOTTO ने सूरत के किरण अस्पताल को एक लिवर और अहमदाबाद के एक अस्पताल को दोनों किडनियां आवाटित की। किरण अस्पताल द्वारा लीवर और किडनी का दान डॉ. अनुराग श्रीमल, डॉ. गौरव पटेल, डॉ. धर्मेश धनानी, डॉ. सुनील कुमार सिंह व उनकी टीम ने स्वीकार किया। जबकि लोक दृष्टि

आई बैंक के डॉ. प्रफुल्ल शिरोया द्वारा नेत्रदान स्वीकार किया गया। वापी के एक 45 वर्षीय निवासी को सूरत के किरण अस्पताल में दान किया गया लिवर ट्रांसप्लांट डॉ. गौरव पटेल व उनकी टीम ने किया। दान की गई दोनों किडनी को अहमदाबाद के एक अस्पताल में दो जरूरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपित किया जाएगा।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

सैल्पूट

दुनिया से जाते-जाते लीवर, किडनी व आंखें देकर 5 को जीवनदान दे गए शैलेष पादरिया, अंतिम विदाई पर लोगों ने किया सलाम



**पति का शरीर राख
बन जाता, अब दूसरों
में जिंदा रहेंगे: ममता**

शैलेष भाई की पत्नी ने बताया कि मेरे पति ब्रेनडे� हैं, उनका शरीर राख हो जाने वाला है। अगर उनका अंगदान कर दें तो वह अन्य लोगों में जिंदा रहेंगे। इससे बड़ा पुण्य का काम और क्या होगा? परिवार वालों की सहमति से शैलेषभाई का लीवर, किडनी और आंखें दान कर दी गईं। डोनेट लाइफ संस्था ने अंगदान की प्रक्रिया पूरी कराई।

वापी निवासी व्यक्ति को मिला लिवर, किरण अस्पताल में हुआ ट्रांसप्लांट...

अंगदान से पांच मरीजों को मिला नया जीवन

दो किडनी और
चक्षुओं का भी दान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत, शहर के महिधरपुरा मणियारा माहल्ला निवासी 64 वर्षीय बुद्ध को सिर, दर्द, उल्टी और बेहोश होने पर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। चिकित्सकों ने इलाज के दौरान उनको ब्रेनडे� घोषित कर दिया। परिजनों ने अंगदान का निर्णय किया जिससे किडनी, लिवर और चक्षुओं के दान से पांच जीवों को नई जिंदगी मिली है। दान में मिला लिवर वापी निवासी व्यक्ति में किरण अस्पताल में ट्रांसप्लांट किया गया है। अहमदाबाद के अस्पताल में



अंगदाना मरीज और परिवार।

जहरतमंद दो मरीजों में किडनी ट्रांसप्लांट की जानी है।

जानकारी के अनुसार महिधरपुरा पदमावती अपार्टमेंट निवासी शैलेष हसमुख पादरिया (64) 5 मई को

दोपहर 12 बजे खाना खाकर घर पर बैठे हुए थे, तभी उनको सिरदर्द की तकलीफ हुई। कुछ देर में उल्टी होने के बाद बेहोश जैसे हो गए। उनको बीनस अस्पताल में भर्ती करवाय

गया जहां चिकित्सकों ने सीटी स्कैन करवाया। रिपोर्ट में ब्रेन हैमरेज होने की पुष्टि हुई। चिकित्सकों ने 6 मई को उन्हे ब्रेनडे� घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर डोनेट लाइफ की टीम पहुंची और परिजनों को अंगदान के बारे में समझाया। परिजनों वै सहमति मिलने के बाद स्टेट ऑर्गन ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एसओटीटीओ) को जानकारी दी गई। एसओटीटीओ ने लिवर सूत के किरण अस्पताल और दोनों किडनी अहमदाबाद के अस्पताल को दान किए हैं। चक्षुओं का दान लोक हॉस्पिट चक्षु बैंक के डॉ. प्रफुल शिरोया ने स्वीकार किया है। किरण अस्पताल को दान में मिली किडनी का ट्रांसप्लांट वापी निवासी 45 वर्षीय व्यक्ति में किया गया है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे� के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

ब्रेन डेड शैलेश पादरिया के अंगदान ने 5 लोगों को नई जिंदगी मिली

मूरत। सूरत शहर अब अंगदान शहर के रूप में प्रसिद्ध हो रहा है। सूरत का एक और अंगदान डोनेट लाइफ संस्था ने बीनस अस्पताल से किया है। लेड्डा पाटीदार समृद्धाग के ब्रेन डेड शैलेशभाई हसमुखभाई पादरिया (उम्र-64) के परिवार ने डोनेट लाइफ के जरिए शैलेशभाई का लीवर, किडनी और ओर्गेन दान कर पाच लोगों को नया जीवन देकरमानवता को महाक फेलाकर समाज को एक नई दिशा दिखाई है। सूरत के महिलाएँ स्थित मणिया भी निकासी एवं निवृत्ति

जीवन व्यतीत कर रहे शैलेशभाई 5 मई को दोपहर 12 बजे जब उसने सिर दर्द की शिकायत की। पिछे उल्टी होने से वह घैसे हो गये।

सदस्यों को अंगदान के महत्व और इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया गया

परिजन उसे तुरंत बीनस अस्पताल में डॉ. निखिल जरीवला के हालाज के तहत भर्ती बताया गया था, जहां निदान के लिए सीटी स्कैन किया गया और ब्रेन हेमोज का पता चला। उह मई को न्यूरोफिजिशिपन डॉ. गौरांग जरीवला, चिकित्सक डॉ. निखिल जरीवला, इंटीमियट डॉ. प्रेष्ठा गोयल, डॉ. आकश बाई ने शैलेशभाई को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। न्यूरोसर्जन डॉ. धर्म पटेल ने डोनेट लाइफ के संस्थापक नीलेश मंडलेवला से संपर्क किया और उन्हें शैलेशभाई के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी। डोनेट लाइफ टीम अस्पताल पहुंची और शैलेशभाई को पश्ची ममताबेन, बेटे किंग, बेटियों बिनी और उम्रति, दामाद चिरग मुरारी, स्वातिल शाह, दिलीपभाई शाह और पादरिया परिवार के अन्य सदस्यों ने अंगदान का महत्व और पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया।

अंगदान की खबरें अक्सर



मृतने को मिलती थी

शैलेशभाई की पहली ममताबेन और परिवार के अन्य सदस्यों ने कहा कि हमने अंगदान के बारे में अक्सर खबरें सुनी थीं। उस ममता में हमेशा सोचता था कि अंगदान से बढ़ा कोई दान नहीं है, मेरे पाति का ब्रेन डेड हो गया है, उनका शरीर भस्म होने चला है, तो जितने अङ्गें फेलियर रोगियों को उनके अंगों के दान से नया जीवन मिलता है, तो इसके लिए आगे बढ़ना चाहिए। शैलेशभाई के परिवार में उनकी पश्ची ममताबेन, बेटा चिरग और बेटी उम्रति हैं जो एलाइड फायर सेफ्टी एंड सर्विसेज में सर्विस मैनेजर और ऑपरेशंस मैनेजर के रूप में काम करते हैं। दूसरी बेटी बिनी जी विवाहित हैं। परिवार से अंगदान के लिए सहमति प्रिलैने के बाद सोहने से संपर्क किया गया। सोहने ने सूरत के किरण अस्पताल को दूसरी बार जल्दी भर्ती किया गया है, जिसमें 466 किडनी, 200 लीवर, 45 दिल, 34 फेफड़े, 8 अम्ब्याशय, 4 हाथ, 1 पैरीह और 364 आंखों के दान से देश-विदेश के कुल 1030 व्यक्तियों नया जीवन प्राप्त नई दृष्टि देने में महसूल हुआ है।

जाएगा

किरण अस्पताल द्वारा लीवर और किडनी के दान डॉ. अमृणग श्रीमल, डॉ. गौरव पटेल, डॉ. धर्मेश धनानी, डॉ. मुनील कुमार सिंह व उनकी टीम ने स्वीकार किया। जबकि आंखों का दान लोक दृष्टि धधु बैंक के डॉ. प्रफुल शिरोमण ने स्वीकार किया। दान में मिला लीवर काषी के 45 कर्णीय निकासी को सूरत के डॉ. किरण अस्पताल में ट्रांसप्लांट डॉ. गौरव पटेल व उनकी टीम ने किया। दान की गई दोनों किडनी को अहमदाबाद के एक अस्पताल में दो जलरतमंद मरीजों में प्रत्यारोपित किया जाएगा।

दक्षिण गुजरात के डोनेट लाइफ द्वारा कुल 1122 अंग और ऊतक दान किल गए डोनेट लाइफ द्वारा सूरत और दक्षिण गुजरात से कुल 1122 अंगों और ऊतकों का दान किया गया है, जिसमें 466 किडनी, 200 लीवर, 45 दिल, 34 फेफड़े, 8 अम्ब्याशय, 4 हाथ, 1 पैरीह और 364 आंखों के दान से देश-विदेश के कुल 1030 व्यक्तियों नया जीवन प्राप्त नई दृष्टि देने में महसूल हुआ है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



લેઉવા પાટીદાર સમાજના બ્રેઇનડેડ વૃદ્ધનાં અંગદાન થકી પાંચ લોકોને નવું જીવન મળ્યું

ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા વિનસ હોસ્પિટલથી કરાવવામાં આવ્યું : સુરત શહેર હવે ઓર્ગન ડોનર શહેર તરીકે પણ જ્યાતી પામી રહ્યું છે

ધબકાર પ્રતિનિધિ, સુરત, તા. ૦૭
મહિષૂરપુરા, મણીયારા શેરી સ્થિત
પદમાવતી અંપાટમેન્ટમાં રહેતા અને
નિવૃત્ત જીવન જીવતા શૈલેશભાઈ
હસમુખભાઈ પાદરીયા (૩. વ. ૬૪) એ
તા. ૫ મેએ બપોરે જમ્યા બાદ માથામાં
હું ખાવાની ફરિયાદ કરી હતી.
ત્યારબાદ ઉલ્લીઓ થતા તેઓ બેબાન
થઈ ગયા હતા. પરિવારજનોએ તેમને
વિનસ હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા હતા
જ્યાં નિદાન માટે સિટી સ્કેન કરાવતા
બ્રેઇન હેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું.
તા. હના તેમને બ્રેઇન ડેઝાહેર કરાયા
હતા.

આ અંગે ન્યૂરોસર્જન ડૉ. ધવલ
પટેલ ડોનેટ લાઈફના સ્થાપક નિલેશ
માંડલેવાલાને જાણકારી આપતા ડોનેટ
લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી
શૈલેશભાઈના પત્રી મમતાબેન, પુત્ર
જગર, પુત્રીઓ બીની અને ઉનાતી,
જમાઈ વિરાગ સુરતી, સ્વાતીલ શાહ,
દિલીપભાઈ શાહ અને પરિવારના અન્ય
સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની
સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવતા પરિવારે
અંગદાનની સંમતી આપી હતી.
પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની



સંમતી મળતા SOTTOનો સંપર્ક
કરવામાં આવ્યો. SOTTO દ્વારા
લિવર સુરતની ડિરશ્ન હોસ્પિટલને અને
બંને કિડની અમદાવાદની હોસ્પિટલને
ફાળવવામાં આવી. લિવર અને
કિડનીનું દાન ડિરશ્ન હોસ્પિટલના ડૉ.
અનુરાગ શ્રીમલ, ડૉ. ગૌરવ પટેલ, ડૉ.
ધર્મશ ધાનાળી, ડૉ. સુનીલ કુમાર સીગ
અને તેમની ટીમે સ્વીકાર્ય. જ્યારે
ચલ્યું હતું દાન લોકદ્રાવ ચલ્યું બેકના ડૉ.
પ્રકુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્ય હતું. દાનમાં
મેળવવામાં આવેલા લિવરનું
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વાપીના રહેવાસી ૪૫
વર્ષીય વ્યક્તિમાં ડિરશ્ન હોસ્પિટલમાં

ડૉ. ગૌરવ પટેલ અને તેમની ટીમ દ્વારા
કરવામાં આવ્યું છે. દાનમાં મેળવવામાં
આવેલી બંને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બે
જરૂરિયાતમંદ દર્દીમાં અમદાવાદની
હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવશે. સુરત
અને દિક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ
દ્વારા કુલ ૧૧૨૨ અંગો અને ટીસ્યુઓનું
દાન કરાવવામાં આવ્યું છે જેમાં ૪૬૬
કિડની, ૨૦૦ લિવર, ૪૫ હૃદય, ૩૪
ફેકસાં, ૮ પેન્ડીઓસ, ૪ હાથ, ૧ નાનું
આતરંદું અને ૩૬૪ ચક્કુઓના દાનથી
દેશ અને વિદેશના કુલ ૧૦૩૦
વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી દ્રષ્ટિ
બજાવવામાં સફળતા મળી છે.



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

બ્રેનડેડ શૈલેશમાઈના અંગદાનથી ૫ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું



(મુજબાત મેસેજ) સુરત, પાછડીયા ૭.૧.૨૧ના પરિવારે ગેનેટ વાઈકના પરિવારે ગેનેટ વાઈકના નાયામણી શૈલેશમાઈના શરીર હવે મોર્ચન હેઠાં શીંદી તરીકે ખ્યાતિ પામી રહ્યું હૈ. સુરત શી ગ્રૂપ એક અંગદાન કેનેટ વાઈક સંસ્થા દ્વારા વિનસ લોસ્પિટલથી કરાવામાં આવ્યું છે. કેનેટ સુરતના મહિષરપુરા સ્પિટ મહિયા સેરી ખાતે

ચેતા જને નિવૃત જીવન કુતા શૈલેશમાઈ તા. ૫ મેના રોજ અંગે ૧૨ વાગ્યે જીવીને જોગ હતા, ત્યારે તેમને માયામાં દુનાગાંધાની કરિયાદ કરી હતી. ત્યારાદ ઉલ્લિયો

યતા તેથે બેખાન થઈ નથી હતા, પરિવારજન્મનોએ તેમને તાંકાયિક વિનસ લોસ્પિટલમાં હો. નિષિલ જરીવાસાની સારાવાર હેઠળ દ્યાખ આપ્યું હતા જ્યાં નિદાન માર્ગે જુદું સેન કરાકા કેનેટ લોસ્પિટલ હોયાનું નિદાન થયું હતું.

ગેનેટ વાઈકના સ્પાફ નિષેખ પણ શૈલેશમાઈના ટેલોકોન્ફર્મ કરવા માટેને છીએ. કરી શૈલેશમાઈના એરિન ૧૧ વર્ષની જીવાદરી આપી હતી. ગેનેટ વાઈકની ટીમ લોસ્પિટલ પોથી શૈલેશમાઈના પત્રી મમતાને, પુત્ર જીગર, પુત્રીઓ બીજીની અને હિસતી, જમાઈ વિરામ સુરતી, ન્યાયીલ શાલ, ડિલીપમાઈ જાત અને પાદ્ધાયા પરિવારના અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ

અને અમે તેમના અંગોનું દાન પણ કરવા માટેને છીએ. શૈલેશમાઈના પરિવારમાં તેમની પત્રી મમતાને ૬.૧.૨૧ પછી, પુત્ર જીગર ૩.૧.૨૧ અને પત્રી ઉત્તી ૩.૧.૨૧ કે જેઓ બેલાઈડ કાયર સેક્ટરી એન્ડ નાર્સિસીસમાં સર્વિસ મેન્જર અને પરેશન મેન્જર અને પરેશન મેન્જર નરીકે કર્યા ભજવું છે. આજી પુત્રી બીજી ૩.૧.૨૧ કે જે સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ પરચિન છે.

પરિવારજનો તરફકી શૈલેશમાઈના પત્રી સ્પાફ નિષેખ અને પરિવારના અન્ય સભ્યોને જીવાદર સુરતની ડિગ્રી SOTTO નો સેપ્ક્રિપ્ટ દ્વારા આપ્યો હતો. SOTTO લોસ્પિટલમાં અને અન્ય સભ્યોને જીવાદર સુરતની ડિગ્રી સોસ્પીટલમાં અને અને ડિગ્રી અમદાવાદની લોસ્પિટલને અમદાવાદની લોસ્પિટલને શાળવામાં આવી છે. કિંતુ અને ડિગ્રીનું દાન ડિરેક્ટર લોસ્પિટલના માટે વાગાના માર્ગદર્શન સેટન કરવામાં આવ્યું હતું.

મહિધરપુરાના બ્રેનડેડ વૃદ્ધના અંગોનું દાન, લિવર વાપીના યુવકને અપાયું અને કિડની અમદાવાદની લોસ્પિટલને અને આંખો ચક્કાંકને દાન

ક્લાવરિંગેટ. સુરત

મહિધરપુરાના ક્રેનડેડ વૃદ્ધના અંગોનું દાન કરી પરિવાર ૫ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપી માનવતા મહિંકલી છે. વૃદ્ધના લિવરનું વાપીના પુષ્પકમાં દ્રાન્સપાનાં કરાયું હતું. ક્યારે અને કિડનીનું દ્રાન્સપાનાં અમદાવાદની લોસ્પિટલમાં જરૂરીયાતમંદ દાદીઓને કરાશે. રસ્કુલોનું દાન લોક દ્વારી બાબુ બેંક દ્વારા ત્યાવારાયું છે. મહિધરપુરા માસ્ટોયારી સેરી પદમાયાની એપાટેમેન્ટ બાત રહેતા શૈલેશમાઈ પાછડીયા(64) નિવૃત જીવન જીવતા હતા. ગઈ તા. ૫ મેના રોજ તેમને ઉલટીઓ બતા

બેખાન થઈ ગયા હતા. જેથી તેમને જીબાળી લોસ્પિટલમાં દાનાલ કરાયા હતા. જ્યાં બેનલેમરેઝનું નિદાન થયું હતું. એ મેના રોજ ત્યાંથી અને તેમને ક્રેનડેડ જાહેર કર્યા હતા. ક્રેનડેડ અંગેની જીબાળ હતા ગેનેટ વાઈકના ટીમ લોસ્પિટલ પણ્ણોની હતી અને પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિવાર તરફકી અંગદાનની સંમતી મળતા જોડેનો સંપર્ક કરવાનાં આવ્યો હતો. અને સોટો દ્વારા લિવર સુરતની કિરણ લોસ્પિટલને અને કિડની અમદાવાદની લોસ્પિટલને શાળવામાં આવી. લિવર અને કિડનીનું દાન કિરણ લોસ્પિટલની ટીમ દ્વારા સ્વિકરવામાં આવ્યું હતું.

જ્યારે રસ્કુલોનું દાન લોકદ્વારી ચક્કાંક દ્વારા સ્વિકરવામાં આવ્યું હતું. એમાંથી લિવરનું દ્રાન્સપાનાં વાપીના ૪૫ વર્ષીય યુવાનમાં સુરતની ડિગ્રી લોસ્પિટલમાં દ્રાન્સપાનાં કરવામાં આવ્યું હતું.

" જીતે જી રત્નાદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યાદાન..."



News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

લેઉવા પાટીદાર સમાજના બ્રેઇનડેડ વૃધ્ઘના અંગદાનથી પાંચને નવજીવન

(પ્રચિનિપિ દ્વારા)

મહિષાદુર્યોગ ખાતે રોતા લેઉવા પાટીદાર સમાજના બ્રેઇનડેડ વૃધ્ઘના પર્ટિયારે વિવર,
કિડની અને ચ્યક્કાઓનું દાન કરી પણ વિકિને નવજીવન અની માનવતાની મહંક ફેલાવી
તમાજને નવી રીતા બાબતાવી છે.

મહિષાદુર્યોગની માલ્ફીયારા શેરીમાં રહેતા શૈલેશભાઈ પાટીદારના વિવર, કિડની અને ચ્યક્કાઓનું દાન કરાયું

મહિષાદુર્યોગ ખાતે માલ્ફીયારા શેરીમાં
પણજીવતી એપાઈમેન્ટમાં રહેતા 64
વર્ષના શૈલેશભાઈ લક્ષ્મુભાઈ
પાટીદારા નિરૂપ કરુન જાતા હતા.
શૈલેશભાઈ તા.૫ મિને અપોદે જમીને
બેઠા હતા ત્યારે તેમને માયામાં ફુલભાવો
ઝિપફ્રા આદ ઉલ્લાસો પણ બેબાન કરી
જાય હતા. પરિવારજીને તંત્ર અનીયી
ઓરિન્ટલમાં લઈ ગયા હતા. એંચુકેરે
શીરી સેન કરાવતા બેઠીન કેમરેજ સ્લોવાનું
નિરૂપ કર્યું હતું, તા.૩ હના રેઝ કેક્ટરની
ટીમ હોસ્પિટલ પોદીમી પરિવારજા સભ્યોને
અંગદાનનું મહાન સમજાપણું હતું. આદમ્ય
તેમજું વિવર સુરતની પ્રાપ્તિવાટ હોસ્પિટલને

સુરત રચિયાર

અને બેનેકિની અમદાવાદની હોસ્પિટલને
કાલજીવાળમાં આવી હતી. જ્યારે ચ્યક્કાઓનું
દાન કોડફિલ્ડ કર્યું હોકે સ્ટીલાઈટ હતું.
દાનમાં મેલા વિવરનું પારીના રેલોટ
એપ વર્ષના વિકિનો સુરતની જાનગી
હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું
છે. બને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ એ
જુરીયાતમંડ ડીના અપદાવાડની
સ્ટોર્પિટલમાં કરવામાં આવે.
શૈલેશભાઈના પરિવારજાં તેમની પણી
મધ્યાત્માને (કુ.૧.૫), પુત્ર જીગર (કુ.૧.
૨૬) અને પુત્રી રીતા (કુ.૧.૨૯,
બેલાઈં કાર સેક્ટરી અનુ સર્વિસીલાંમાં
સુરત મેનેજર અને ઓપરેટર મેનેજર
તરફાની કર્યા હતું) અને બીજી પુત્રી
બીની (કુ.૧.૨૫ - પરિણિત) છે.

સુરતમાંથી અંગદાનની વધુ એક ઘટના: લેઉવા પાટીદાર સમાજના બ્રેઇનડેડ વૃધ્ઘના લિવર, કિડની, આંખોનું દાન

વિનસ હોસ્પિટલમાં અંગદાન
કરાયું, પાંચ વ્યક્તિઓને
નવજીવન મળાયો

સુરત: સુરતમાંથી અંગદાનની વધુ
એક ઘટના બની છે. લેઉવા પાટીદાર
સમાજના 64 વર્ષિય બ્રેઇનડેડ
શૈલેશભાઈ લક્ષ્મુભાઈ પાટીદારા
પરિવારે બેનેક લાઈફના માયામાં
શૈલેશભાઈન લિવર, કિડની અને
આંખોનું દાન કરી પણ વિકિને
નવજીવન માટે હતું છે.

બેનેક લાઈફના નિલેશભાઈ
માંદ્યેચાલામે જીજાપણું હતું
કે મહિષાદુર્યોગ પદમાચારી
એપાઈમેન્ટમાં રહેતા 64 વર્ષિય
શૈલેશભાઈ લક્ષ્મુભાઈ પાટીદારાને
જી મેન રોજ માયામાં ફુલભાવની
કર્યાદ કરી હતી. નવરાણ ઉલ્લિયો
હત તેમો બેબાન વહી ગયા હતા.
પરિવારજીને તેમને તાત્કાલિક
વિનસ હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા હતા.
નિરૂપ માટે CT સેન કરવા બેઠીન
કેમરેજ લોયાનું નિરૂપ કર્યું
હતું.

6 મેના રેઝ તેમને બેઠીને જાહેર

નિરૂપ હતા. બેનેક લાઈફના રીમે
શૈલેશભાઈ પર્દીથી શૈલેશભાઈના
પણી મધ્યાત્માને, પુત્ર જીગર, પુત્રીનો
બીની અને રીતાની, કામરી વિદ્યા
સુરતી, સ્વાત્મિય શાહ, ડિલીપભાઈ
શાહ અને પાટીદારા પરિવારના
અન્ય સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ
અને તેની સમજ પ્રક્રિયા સમજાવી,
પરિવારજીનોએ અંગદાનની સંભતિ
આપતા SOTTOને સેપક કરવામાં
આવ્યો. SOTTO દ્વારા લિવર
મુજલની ડિરલ લેન્સ્સીલાને અને બેને
કિડની અમદાવાદની હોસ્પિટલને
કાલજીવાળમાં આવી. આંખોનું દાન
દાન કોડફિલ્ડ કર્યું હોકે સ્ટીલાઈટ હતું
શિરોપાણે સ્ટીલાઈટ.

દાનમાં મેલાવાળમાં આવેલા
લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ પારીના રેલોટ
એપ વર્ષના વિકિના સુરતની વિવર
હોસ્પિટલમાં હો. જોરાં પદેલ અને
તેમની રીમ દારા કરવામાં આવ્યું
છે. દાનમાં મેલાવાળમાં આવેલી અને
કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ એ જુરીયાતમંડ
દીની અમદાવાદની કામરીટલાં
કરવામાં આવેલો.

" જીતે જી રત્નાદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યાદાન..."



માથાના દુઃખાવા સાથે ઊલટી થઈ, બ્રેન હેમરેજ થયાનું નિદાન લેઉવા પાટીદાર સમાજના વૃદ્ધનાં અંગોનું દાન, 5 વ્યક્તિને નવજીવન

| સુરત |

મહિધરપુરા વિસ્તારના લેઉવા પાટીદાર સમાજના બેઈનડેડ વૃદ્ધના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે.

મહિધરપુરા સ્થિત માણીયારા શેરીમાં આવેલા પદ્ધાવતી એપાર્ટમેન્ટમાં રહેતા શૈલેષભાઈ હસમુખભાઈ પાદરિયા (ઉ.વ. ૬૪) નિવૃત્ત જીવન જીવતા હતા. દરમિયાન ગત તા. પમીએ બપોરે ઘરમાં જમીને બેઠા હતા ત્યારે તેમણે માથામાં દુઃખાવાની ફરિયાદ કરી હતી. ત્યારબાદ ઊલટીઓ થયા બાદ શૈલેષભાઈ બેભાન થઈ જતા તાત્કાલિક સારવાર માટે ખાનગી હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. જ્યાં સીટીસ્કેન સહિતના રિપોર્ટ કરાવાતા તેમને બેઈન હેમરેજ થયાનું નિદાન થયું હતું. તબીબી સારવાર પછી પણ તેમની તબિયતમાં કોઈ સુધારો આવ્યો નહોતો. દરમિયાન શનિવારે

તબીબી ટીમે તેમને બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. ડોનેટ લાઈફની ટીમે શૈલેષભાઈના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવ્યું હતું. ત્યારબાદ તેઓ અંગદાન કરવા રજી થયા હતા. ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, દાનમાં મળેલા લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વાપીના ૪૫ વર્ષીય આધેડમાં કરાયું હતું. જ્યારે બંને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બે જરૂરિયાતમંદ દાનમાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવશે. જ્યારે ચક્ષુઓનું દાન લોક્ડ્રાન્ટ ચક્ષુ બેન્કના ડૉ. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું હતું.

અંગદાનથી અન્યના જીવનને પણ સાર્થક બને છે. ત્યારે હવે આ વૃદ્ધના અંગોનું દાન પાંચ વ્યક્તિઓને નવ જીવન મળ્યું છે. સાથે સાથે વરાણાની લોક્ડ્રાન્ટ ચક્ષુ બેન્કના પ્રફુલ શિરોયાની સેવાકીય પ્રવૃત્તિ સમાજ માટે નવો રાહ ચીંધે છે.

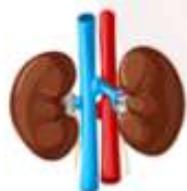


News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

DATE: JANUARY, 2006 TO 07TH MAY, 2023



**466
KIDNEY**



**200
LIVER**



**45
HEART**



**34
LUNGS**



**08
PANCREAS**



**01
INTESTINE**



**364
CORNEA**



**04
HANDS**

**TOTAL 1122 ORGANS & TISSUES DONATED,
which has GIVEN NEW LIFE & VISION TO 1030 PERSONS
ACROSS COUNTRY & GLOBE.**

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."